मलेरिया की कहानी

रेवरेंड जॉन नून्स

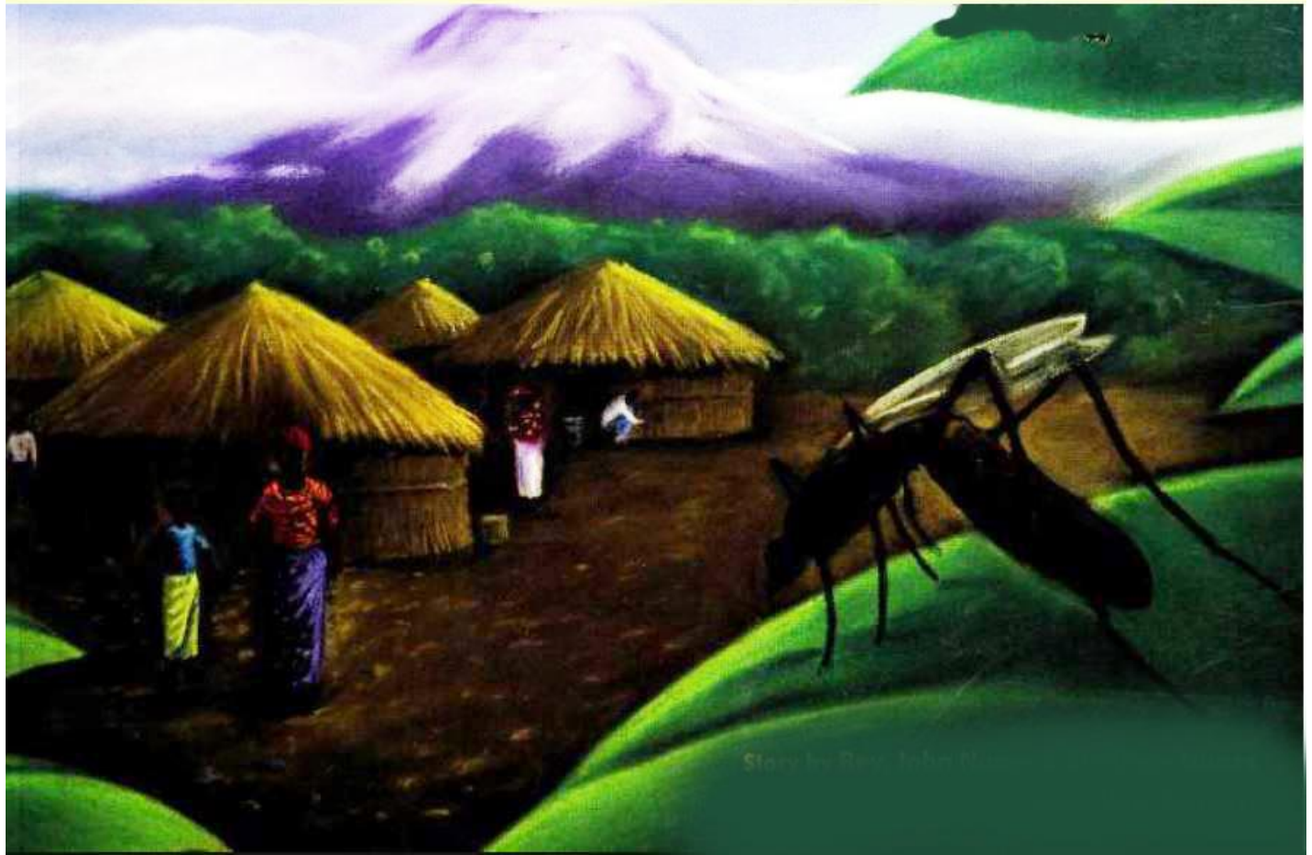

यह किताब उन 2000 अफ्रीकी बच्चों को
समर्पित है जो हर दिन मलेरिया से मरते हैं.

"जैम्बो"

इस तरह आप मेरी भाषा स्वाहिली में नमस्ते कहते. नमस्ते! मेरा नाम रेहेमा है, और मैं तंजानिया में रहती हूँ. यह पूर्वी अफ्रीका का एक देश है. यह रहने के लिए एक अद्भुत जगह है; हमारे यहाँ सुंदर पहाड़ और समुद्र तट हैं और हमारे यहाँ का मौसम गर्म है. माउंट किलिमंजारो तंजानिया में ही है. वो पूरे अफ्रीका में सबसे ऊंचा पर्वत है! मैं वहां कभी गई नहीं हूँ, लेकिन किसी दिन मैं वहां जरूर जाना चाहूंगी.

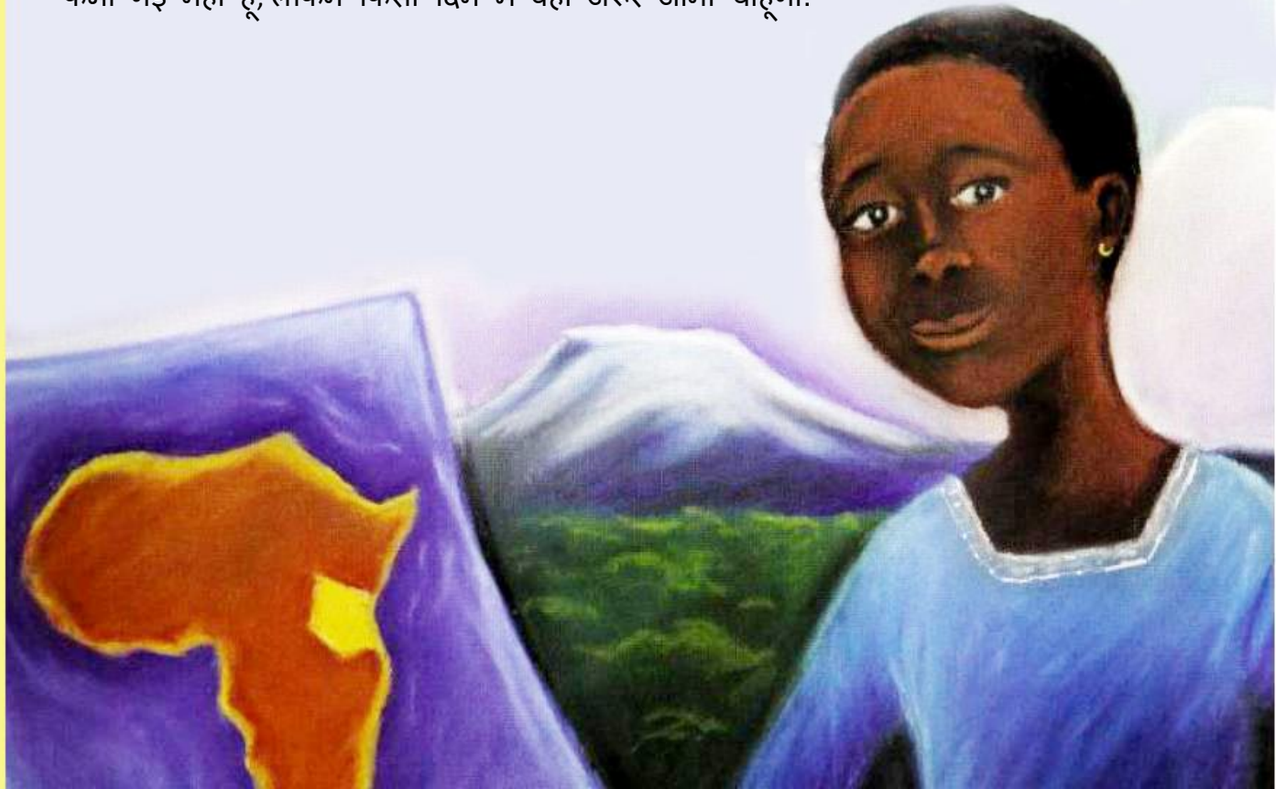

यहां बड़ी संख्या में लोग खेती करके अपनी आजीविका चलाते हैं. मेरे माता-पिता किसान हैं. वे केले, टमाटर, मिर्च और मक्का उगाते हैं. हम सूअर और मुर्गियां भी पालते हैं. मैं मुर्गियों को चुग्गा खिलाती हूँ और पके टमाटरों को तोड़ने में खेत में मदद करती हूँ.

नाश्ते के लिए, मैं आमतौर पर दलिया, एक अंडा या फल - केला, आम या अनानास खाती हूं. यहाँ के फल बेहद ताजे और स्वादिष्ट होते हैं! फिर मैं अपनी स्कूल यूनिफार्म, एक हरे रंग की स्कर्ट और एक सफेद शर्ट पहनती हूँ, और अपने दोस्तों के साथ स्कूल जाती हूँ.

मैं केवल 11 साल की हूं, लेकिन मैंने पहले से ही अपना मन बना लिया है कि जब मैं बड़ी होऊंगी, तो मैं एक डॉक्टर बनूंगी.

मुझे पता है कि मुझे कठिन अध्ययन करना होगा, तभी मैं अपने लक्ष्य तक पहुँच सकूँगी. मुझे स्कूल जाना और नई चीजें सीखना बहुत पसंद है.

स्कूल से घर आने के बाद मैं अपना होमवर्क करती हूं. फिर मैं अपने दोस्तों के साथ, खाने के समय तक बाहर खेलती हूं.

रात के खाने के लिए, मेरी माँ आमतौर पर सूप बनाती हैं, जिसे हम आलू या चावल के साथ खाते हैं. वो हमारे बगीचे के टमाटर और खीरे का सलाद भी बनाती हैं.

मेरी माँ बेहतरीन खाना बनाती हैं! वो मुझे वो खाना बनाना सिखा रही हैं ताकि एक दिन मैं भी अच्छा खाना बना सकूं और मैं भी मां जैसा सूप और चपाती जैसे पारंपरिक तंजानिया के व्यंजन बना सकूं.

तंजानिया, शानदार जानवरों का घर है. कोमल जिराफ, सुंदर इम्पाला, विशाल हाथी, सुंदर ज़ेबरा, आलसी मगरमच्छ, और बहादुर शेर सभी यहाँ रहते हैं. लेकिन जिस एकमात्र जानवर से मुझे सच में डर लगता है वो है छोटा मच्छर!

क्या आपको कभी मच्छर ने काटा है?

मैं शर्त लगा सकती हूँ कि आपको मच्छर ने कभी ज़रूर काटा होगा. दुनिया के कई हिस्सों में, मच्छर के काटने से केवल कुछ झुंझलाहट होती है - वहां कुछ दिनों के लिए खुजली होती है और कुछ सूजन भी, लेकिन फिर वो चली जाती है. लेकिन जहां मैं रहती हूं, वहां मच्छर का काटना जानलेवा हो सकता है

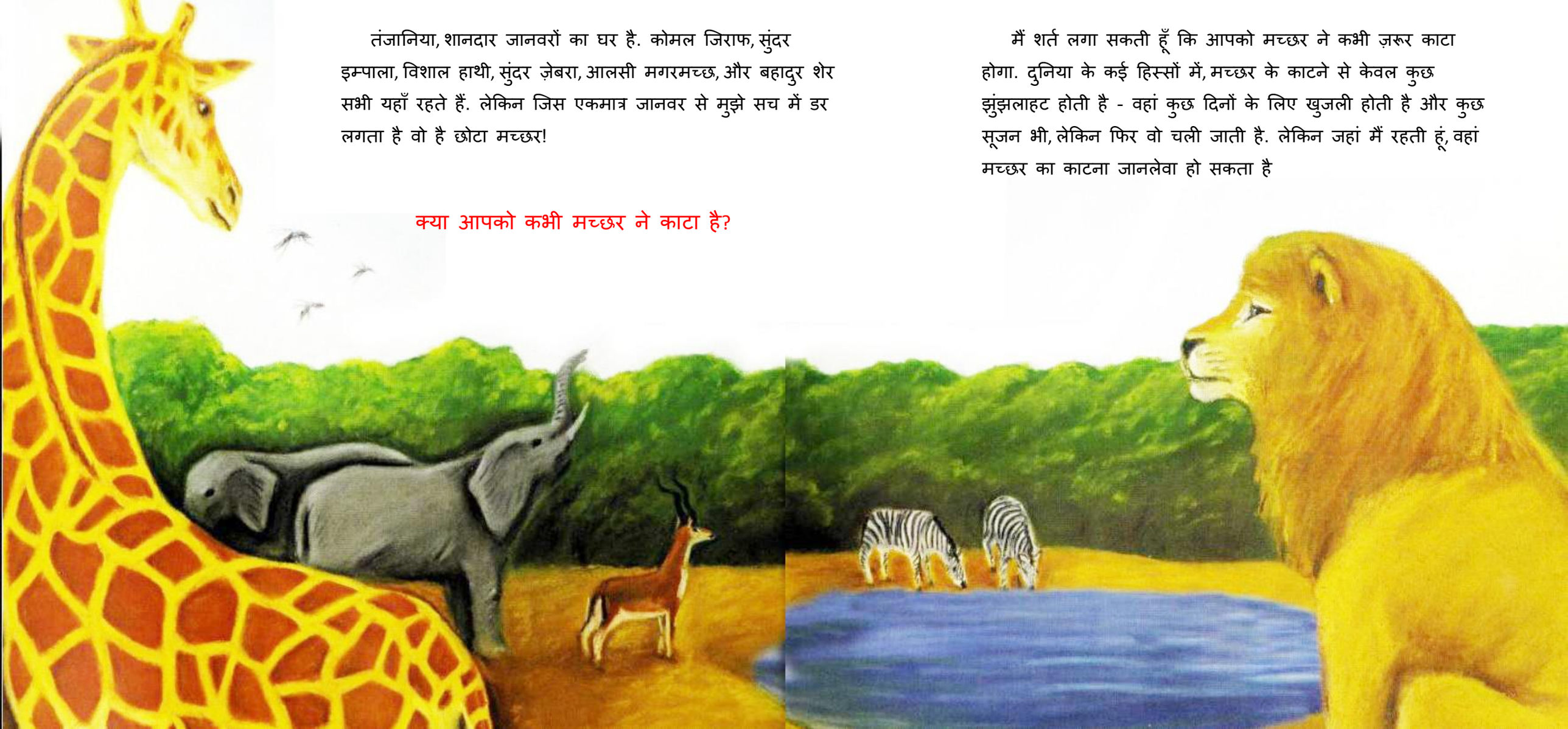

मुझे यह याद नहीं है, लेकिन मेरे माता-पिता ने मुझे यह कहानी कई बार सुनाई है. काफी समय पहले, जब मैं एक छोटी बच्ची थी—बस कुछ ही महीने की, तब मच्छर के काटने से मैं लगभग मर ही गई थी. मुझे बुखार हुआ और मेरी मां मुझे स्थानीय डॉक्टर के पास ले गईं. उसने बुखार दूर करने के लिए मुझे कुछ दवाई दी.

लेकिन उस रात, ठीक होने के बजाए मेरी तबियत और बिगड़ गई.

मैं ज़ोर-ज़ोर से काँपने लगी और मेरे कपड़े पसीने से भीग गए. मेरे पेट में भी दर्द हुआ, लेकिन क्योंकि मैं अभी एक बहुत छोटी थी और अभी बात नहीं कर सकती थी, इसलिए मैं बस रोती रही और रोती रही.

मेरे पिता मुझे एक पड़ोसी से मिलवाने ले गए, जिसने डॉक्टर बनने की पढ़ाई बस शुरू ही की थी. पड़ोसी ने मेरी तरफ एक नजर डाली और उसने मेरे पिता से कहा, "मुझे लगता है कि आपकी बच्ची को मलेरिया हो गया है. आपको उसे तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए."

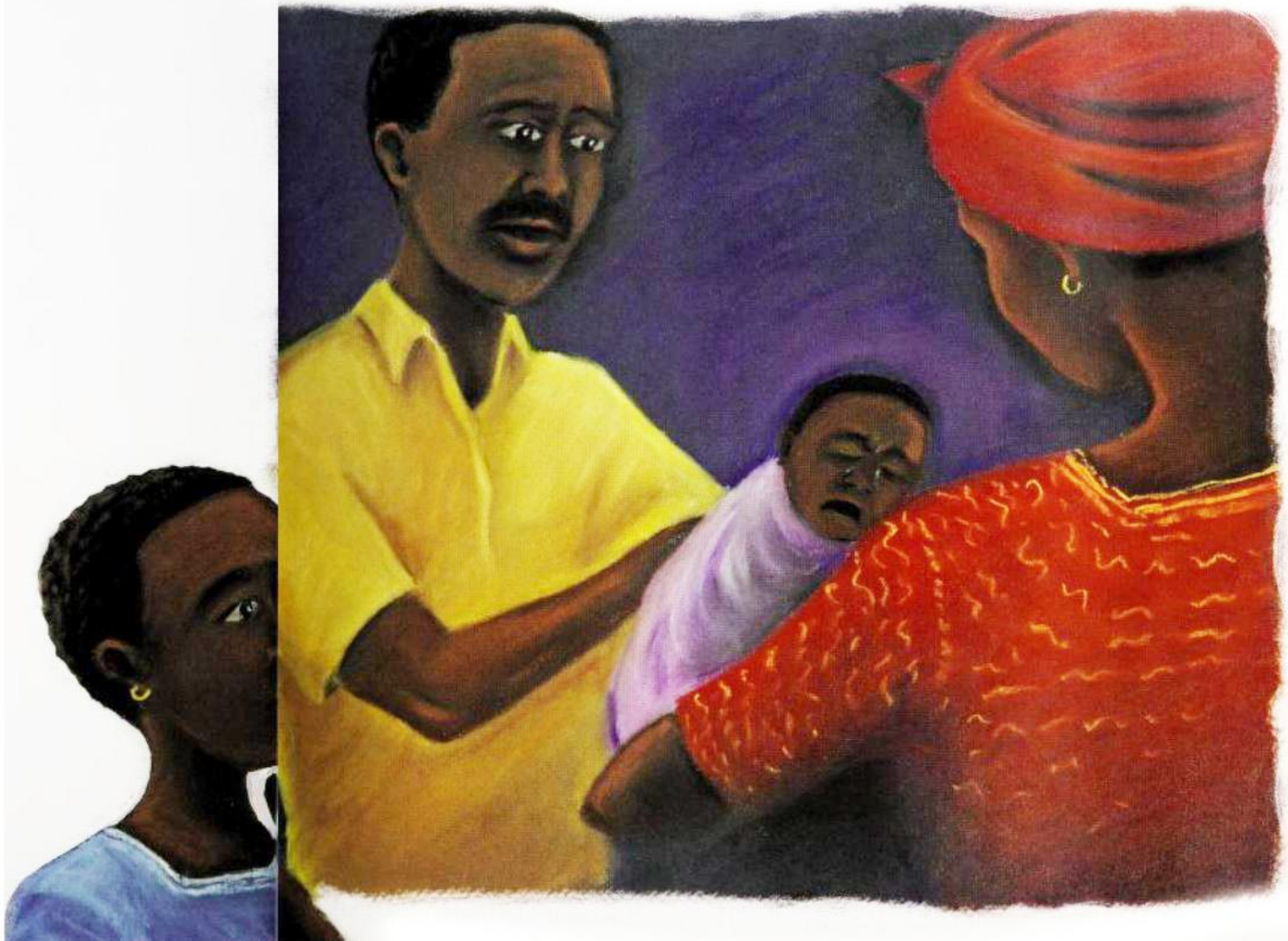

अब, तंजानिया में ज्यादातर लोगों के पास कार नहीं होती है, और मेरे परिवार के साथ भी ऐसा ही था. अस्पताल जाने का एकमात्र रास्ता पैदल चलकर जाना था—और अस्पताल हमारे घर से कई मील दूर था. इसलिए मेरे पिता मुझे घर ले गए और उन्होंने मेरी माँ को पड़ोसी की पूरी बात बताई.

मेरी माँ ने जल्दी से अपनी सैंडल पहनीं, उन्होंने मुझे एक लंबे कपड़े से अपनी पीठ पर बाँधा, और फिर माँ और पिता रात में ही चल दिए.

वे चलते गए और चलते गए. वे पहाड़ियों के ऊपर चढ़े और पहाड़ियों से नीचे उतरे. वे उस कच्चे रास्ते पर चले जो हमारे गाँव से मुख्य सड़क तक जाता था, और फिर वे सड़क के साथ-साथ चले. चिंता के कारण उस लंबी यात्रा में उन्होंने अधिक बात नहीं की. उन्हें डर था कि अस्पताल पहुँचने से पहले कहीं मैं मर न जाऊं.

एक बार, वे अपने पैरों को आराम देने के लिए कुछ देर के लिए रुके. तब मेरी माँ ने मुझे खिलाने की कोशिश की, लेकिन मैं कुछ भी खाने के लिए बहुत बीमार थी. वे घंटों चलते रहे. अंत में, जब सूर्य ऊगा तभी वे अस्पताल पहुंचे. वे लंबी यात्रा से थक गए थे पर अंत में वे राहत भी महसूस कर रहे थे कि शायद वे अपनी बच्ची की कुछ मदद कर पाएं.

"लगता है कि मेरे बच्चे को मलेरिया है," मेरी माँ ने डॉक्टर से कहा.

उस समय तक, मैंने एक शब्द तक नहीं कहा था. मैं बस डॉक्टर की मेज पर लंगड़ाते हुए लेट गई. डॉक्टर ने मेरा तापमान लिया और फिर उन्होंने मेरे माता-पिता से कुछ सवाल पूछे. मेरी जांच करने के बाद उन्होंने मेरे सभी लक्षणों के बारे में बताया.

"हाँ, उसे मलेरिया है," डॉक्टर ने कहा. "मैं उसे एक ऐसी दवा दूँगा जो उसे ठीक कर देगी. यह अच्छी बात है कि आप लोग उसे यहाँ ले आए. अगर उसे यह दवा नहीं मिलती, तो वो निश्चित रूप से मर जाती."

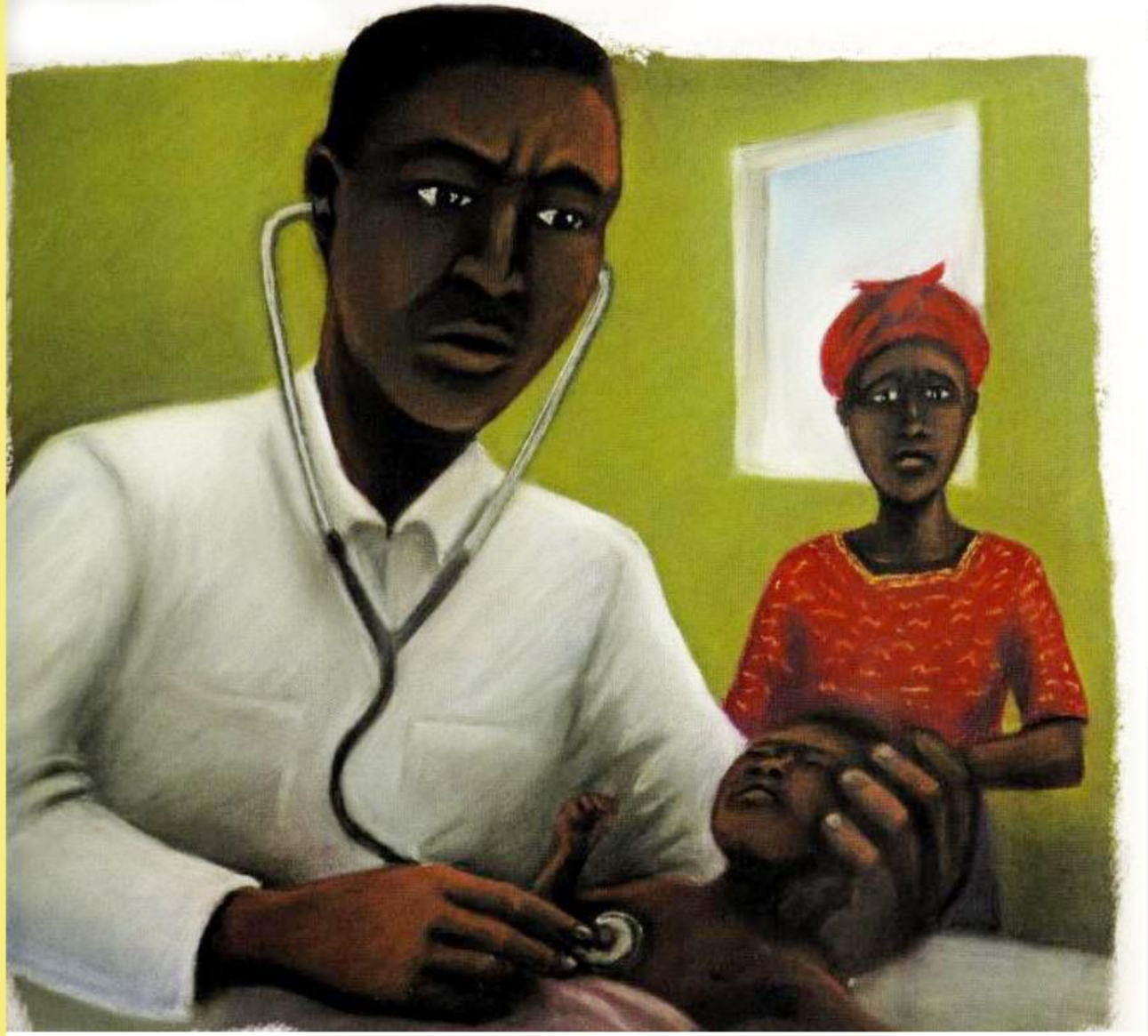

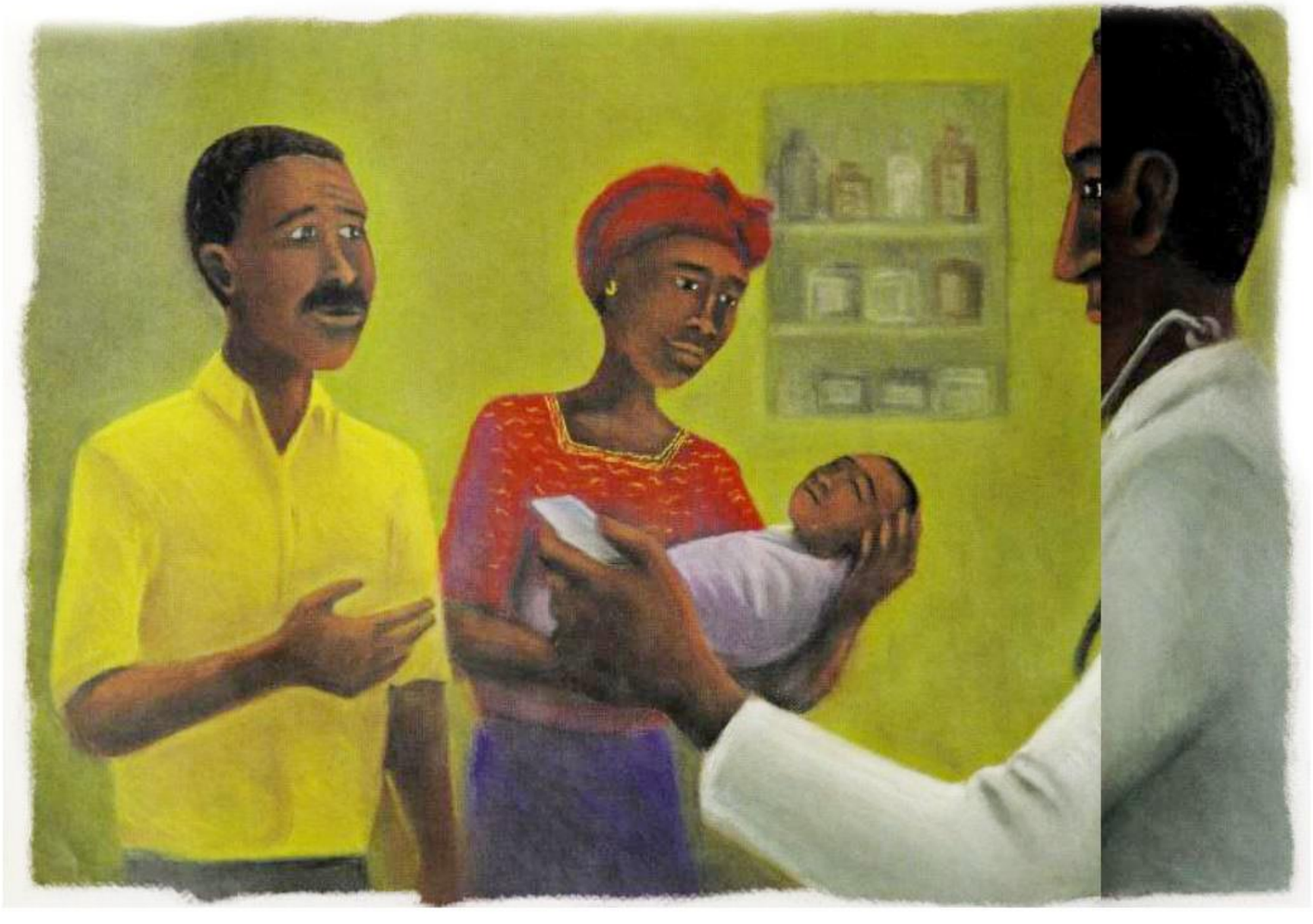

तीन दिनों तक मेरे माता-पिता मेरे साथ अस्पताल में ही रहे. डॉक्टर ने मुझे दवा दी और धीरे-धीरे मुझ में होते सुधार को देखा. अंत में, मैं घर जाने के लिए काफी अच्छी हो गई.

"और इस दवा को ठीक समय पर बच्ची को पिलायें," डॉक्टर ने मेरे माता-पिता से कहा. फिर माता-पिता घर की लंबी यात्रा शुरू करने के लिए तैयार हुए. "भले ही वो अच्छी लग रही हो, अगर आपने उसे बाकी दवा नहीं दी तो मलेरिया फिर से वापस लौट सकता है."

डॉक्टर ने मेरे माता-पिता को समझाया कि मलेरिया एक ऐसी बीमारी थी जो मच्छरों द्वारा फैलती थी. यदि मच्छर किसी मलेरिया वाले मरीज़ को काटने के बाद फिर किसी और को काटे, तो उस व्यक्ति को भी मलेरिया हो सकता था. उन्होंने कहा कि मलेरिया एक परजीवी (पैरासाइट) होता है जो रक्त में मिल जाता है. “शिशुओं और छोटे बच्चों को इससे बीमार होने का सबसे अधिक खतरा होता है."

डॉक्टर ने मेरे माता-पिता से कहा कि वे मुझे रात में मच्छरदानी के नीचे सुलाएं ताकि मुझे मच्छर न काट सकें.

माता-पिता नहीं जानते थे कि मच्छर के काटने से किसी को मलेरिया हो सकता था और मलेरिया कैसे फैलता था वो जानकार उन्हें हैरानी हुई.

हमारे गांव में कई बच्चे बुखार से बीमार हुए थे और कुछ की मौत भी हो गई थी. कभी-कभी वयस्क भी बीमार होते थे, और वे कमज़ोरी के कारण अपने खेतों या काम पर नहीं जाते थे. काम पर न जाने के कारण वे अपने परिवार के लिए पैसा भी नहीं कमा पाते थे.

अब हमें यह समझ में आया कि बुखार मच्छरों द्वारा फैलाया जा रहा था जो हमेशा हमारे चारों ओर भिनभिनाते रहते थे.

फिर माँ ने कुछ दिन पहले की तरह मुझे एक कपड़े के टुकड़े से अपनी पीठ पर बाँधा, अपनी सैंडल पहनीं, और फिर उन्होंने और मेरे पिता ने घर तक की अपनी लंबी यात्रा शुरू की. लेकिन इस बार वे खुश थे. डॉक्टर ने मेरी जान जो बचाई थी, और अब वे मुझे दोबारा मलेरिया होने से कैसे बचाना है वो तरीका भी जानते थे.

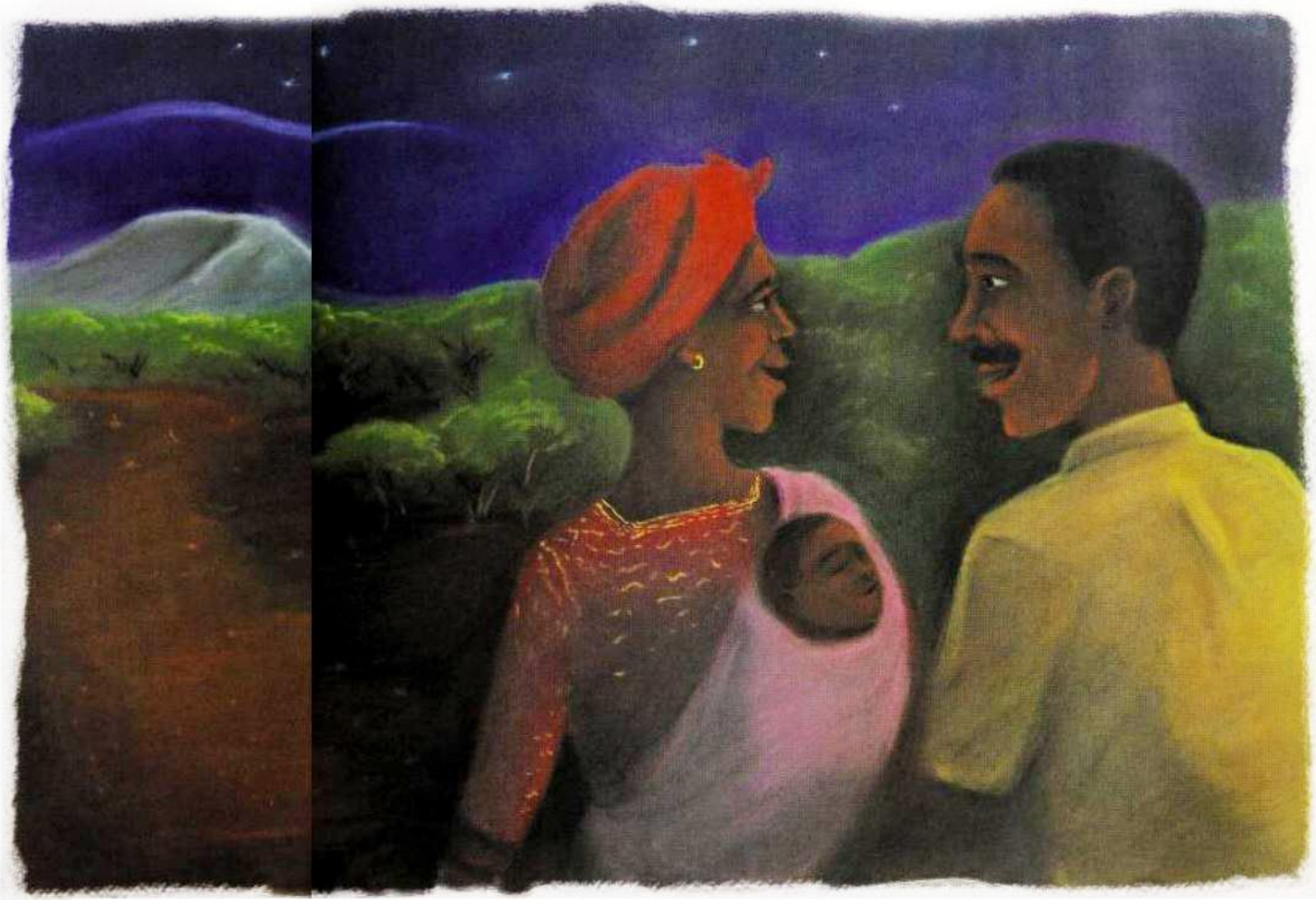

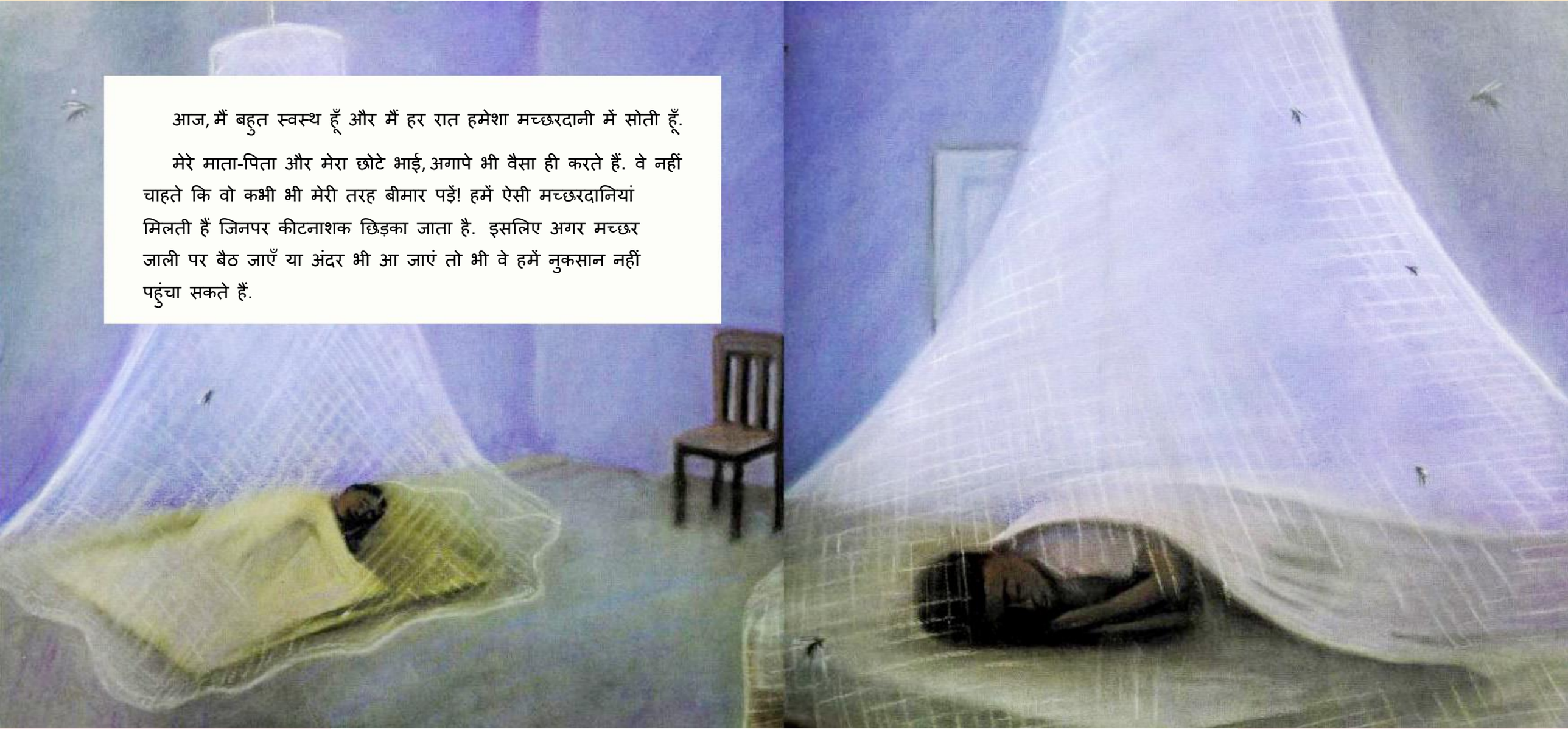

आज, मैं बहुत स्वस्थ हूँ और मैं हर रात हमेशा मच्छरदानी में सोती हूँ.

मेरे माता-पिता और मेरा छोटे भाई, अगापे भी वैसा ही करते हैं. वे नहीं चाहते कि वो कभी भी मेरी तरह बीमार पड़ें! हमें ऐसी मच्छरदानियां मिलती हैं जिनपर कीटनाशक छिड़का जाता है. इसलिए अगर मच्छर जाली पर बैठ जाएँ या अंदर भी आ जाएं तो भी वे हमें नुकसान नहीं पहुंचा सकते हैं.

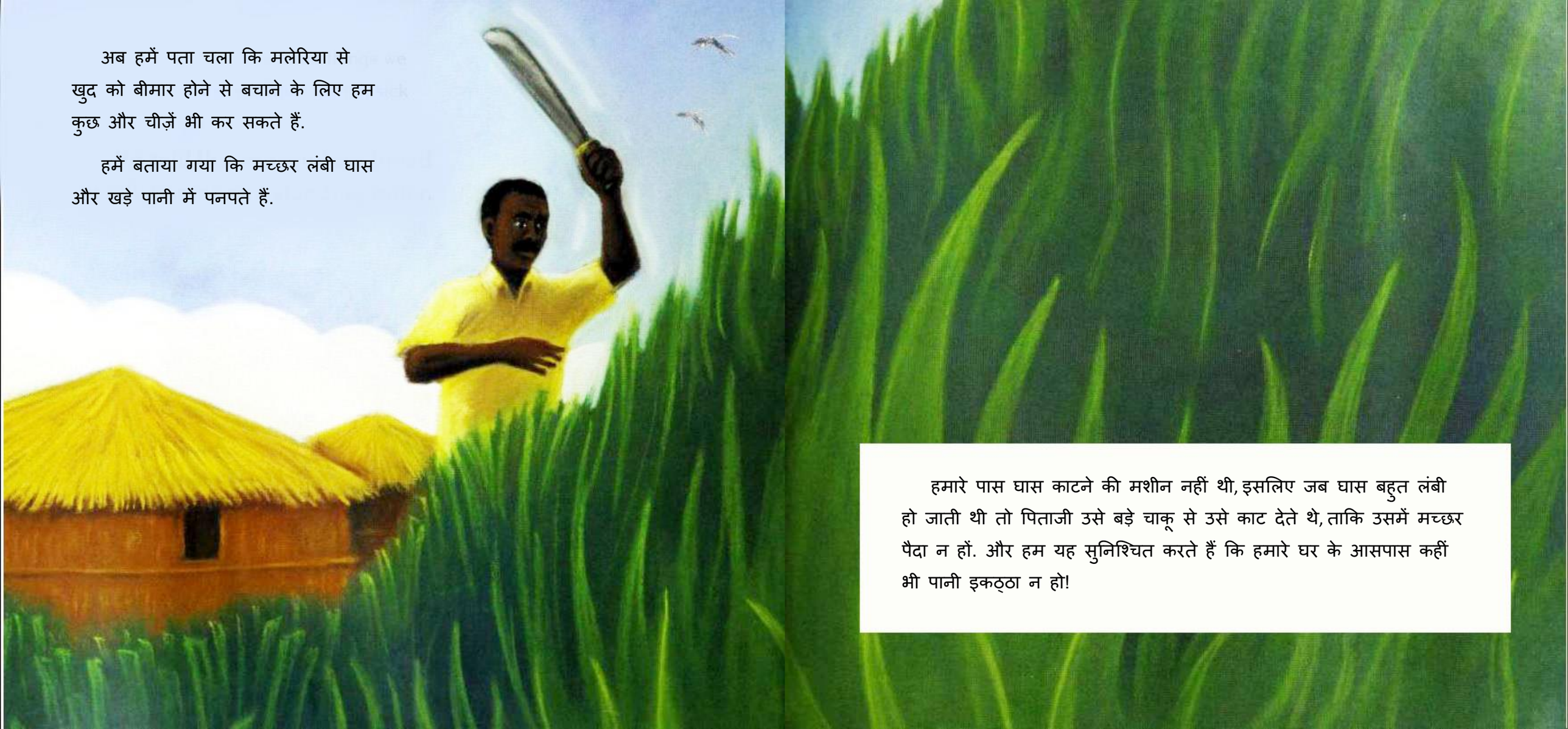

अब हमें पता चला कि मलेरिया से खुद को बीमार होने से बचाने के लिए हम कुछ और चीज़ें भी कर सकते हैं.

हमें बताया गया कि मच्छर लंबी घास और खड़े पानी में पनपते हैं.

हमारे पास घास काटने की मशीन नहीं थी, इसलिए जब घास बहुत लंबी हो जाती थी तो पिताजी उसे बड़े चाकू से उसे काट देते थे, ताकि उसमें मच्छर पैदा न हों. और हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे घर के आसपास कहीं भी पानी इकठ्ठा न हो!

हाल ही में, हमारे चर्च के पादरी ने हमें मलेरिया के बारे में बताया. हमारे यहाँ मलेरिया एक बड़ी समस्या है, इसलिए पादरी यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि हर कोई सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करे और मलेरिया के शुरुआती लक्षणों को पहचानना सीखें और बीमार होने पर वे तुरंत डॉक्टर के पास जाएं.